एक बार आओ जी बालाजी | By Mukesh Bagda

एक बार आओ जी बालाजी म्हारे आंगणा
थाने टाबरिया बुलावे घर आज पधारो म्हारे आंगणिये

केसरिया बाघों पेहरावां
चांदी को थां के छतर चढ़ावां
थाने बनडॉ बनावां बाबा आज पधारो म्हारे आंगणिये
और केसर चन्दन तिलक लगावां
इत्तर से बाबा थाने नेहलावां
थां को खूब करा सिणगार पधारो म्हारे आंगणिये

खीर चूरमा को भोग लगावां
प्रेम से बाबा थाने जिमावां
थां की खूब करा मनवार पधारो म्हारे आंगणिये
ग्यारस की म्हें रात जगावां
भजन सु बाबा थाने रिझावाँ
थां का खूब लड़ावा लाड पधारो म्हारे आंगणिये

भगता की थे बिनती सुणजो
दुखड़ा सबका आकर हरजो
थां की महिमा अपरम्पार पधारो म्हारे आंगणिये
चौखट पे थां की जो भी आवे
वो तो हर पल मौज उड़ावे
था को नाम जपे दिन रात पधारो म्हारे आंगणिये

फागुन में मेहंदीपुर आवां
आकर के थां के धोक लगावां
म्हा का मन में घणो यो चाव पधारो म्हारे आंगणिये
फागुन की तो महिमा भारी
दरस करे लाखों नर नारी
जां में अमन भी है एक दास पधारो म्हारे आंगणिये
एक बार आओ जी .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%8f%e0%a4%95-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%86%e0%a4%93-%e0%a4%9c%e0%a5%80-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%9c%e0%a5%80-by-mukesh-bagda/